







# सम्पादकीय

## राजस्थान के राजधाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने दिया कुमारी की याचिका पर टिप्पणी करते हुए कहा ऐसे तो सारा जयपुर आपका हो जाएगा। जयपुर राजधाने ने राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। जयपुर राजधाने ने याचिका दाखिल कर जयपुर के टाउन हॉल को अपनी संपत्ति बातकर मुकदमा दर्ज किया है। जिसकी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जयपुर राजधाने के बंशज के रूप में टाउन हॉल पर राजपरिवार ने दावा किया है। राजस्थान हाईकोर्ट के उनके खिलाफ फैसला सुनाया था। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट में पद्धिनी देवी और दिया कुमारी की तरफ से कहा गया, राज्य सरकार टाउन हॉल की जगह मूर्जियम बनना चाहती है। यह सरकारी नहीं राजपरिवार की संपत्ति है। इस निर्णय को नहीं रोका गया तो सरकार का अधिकार हो जाएगा। याचिकाकार्त के बकील हरीश सालवे ने दलील दी। यह मामला कानूनी पैचीदायियों से भरा है। इसमें तीन महत्वपूर्ण मुद्दे संविधान के अनुच्छेद 362 और 363 में पूर्व शासकों और रजवाड़ों के विशेषधिकार से जुड़े हैं। इन राजे - रजवाड़ों का अपना इतिहास हैं। यह एक संधि है, जिसमें केंद्र सरकार पक्षकार नहीं है। जयपुर और बीकानेर शासकों के बीच जयपुर राजपरिवार की संधि हुई थी। हरीश सालवे के इस तरक पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आप आपस में ऐसा अनुबंध करते हैं। बिना भारत सरकार को पक्षकार बनाए, आप कैसे इस तरह से चुनौती दे सकते हैं। इस तरह से तो पूरा जयपुर आपके पक्षकार का हो जाएगा। हर राजा रजवाड़ा सभी सरकारी संपत्तियों पर अपना दावा पेश करेगा। पुरानी रियासतों के बंशज कहेंगे, सारी संपत्तियां उनकी हैं। कोर्ट ने कहा आप कहते हैं, भारत सरकार इस कॉन्ट्रैक्ट में पक्षकार नहीं था। इसलिए अनुच्छेद 363 लागू नहीं होगा।

आधिकार टाउनहॉल का क्या विवाद है। साल 1949 में महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय और भारत सरकार के बीच एक समझौता रियासत के विवाद को लेकर हो जाएगा। इसके तहत टाउन हॉल सहित कुछ संपत्तियां सरकारी उपयोग के लिए दी गई थी। उसके बाद 2022 में गहलोत सरकार आई। राजस्थान सरकार ने टाउन हॉल को मूर्जियम बनाने का फैसला किया। इसको लेकर शाही परिवार नाराज हो गया, राजपरिवार ने आपत्ति जताई। 2014 से 2022 तक कई नोटिस और शिकायतों के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज परिवार के खिलाफ फैसला सुना दिया। जिसको लेकर जयपुर राजधाना सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। जिसमें दो जजों की बीच ने यह टिप्पणी की, अभी सुनवाई चल रही है। देखना होगा सुप्रीम कोर्ट इस मामले में क्या फैसला करता है। जब भारत स्वतंत्र हुआ था, जो राजा रजवाड़े भारत में शासित हुए थे। एक समझौते के तहत उनकी निजी संपत्तियों को उन्हें अधिकार में दिया गया था। बाकी रियासत का हिस्सा संघ में विलय हो गया था। राजा रजवाड़ों को प्रिवीयर्स के रूप में एक निश्चित राशि देने का समझौता विलय पक्ष में हुआ था। राजा रजवाड़ों को कुछ विशेष अधिकार दिए गए थे। उस समय की विलय संधि में राजाओं की निजी संपत्ति, जिसमें राज परिवार का महल, जो जमीन उनके नाम पर थी। गहने, रत्न, आभूषण वगैरा उनको अधिकार में दिए गए थे। समझौते के तहत बाकी सारी रियासत और उसकी संपत्तियां संघ में विलय हो गई थी। 1971 में 26 वें संविधान संशोधन के द्वारा सभी राजे - रजवाड़ों को मिले विशेष अधिकार कर दिए गए थे। प्रिवीयर्स बंद कर दिया गया था। जिसके कारण उस समय राजे - रजवाड़ों को अप्रियोंसे से विद्रोह कर जनसंघ में चले गए थे। कांग्रेस पार्टी में विद्रोह हो गया था। 1990 के बाद राम मंदिर विवाद को लेकर जिस तरह से पुराने इतिहास के आधार पर मुकदमे बाजी शुरू हुई। पिछले एक दशक में राजे - रजवाड़ों के बंशजों ने मुकदमेबाजी कर सरकारी संपत्ति को हथियाना शुरू कर दिया है। दिया कुमारी राजस्थान सरकार की उप मुख्यमंत्री हैं जयपुर राजधाने की बंशज होने के कारण वह भी टाउन हॉल और अन्य संपत्तियों पर कब्जा करना चाहती है। कुछ इसी तरह के विवाद अन्य रियासतों के बंशजों ने भी कोर्ट में दावा किया है। इस तरह से भी कोर्ट ने यह बात पकड़ ली। सुप्रीम कोर्ट ने यह बात पकड़ ली। सुप्रीम कोर्ट की जो टिप्पणी आई है। उससे आभास होता है, जयपुर राजधाने द्वारा राजस्थान की सत्ता में उप - मुख्यमंत्री के पद पर होते हुए जिस तरह से धोखाधड़ी करने का प्रयास किया है। सुप्रीम कोर्ट को सुनवाई के दौरान विशेष सतरकता वरतने की जरूरत है। राजस्थान सरकार में मंत्री रहते हुए दिया कुमारी को इस तरह के मुकदमे में पार्टी नहीं बनना चाहती थी। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से हजारों वर्ष पुराने इतिहास, विवाद और परंपरा के आधार पर न्यायालयों में मुकदमे दाखिल किए जा रहे हैं। राम मंदिर विवाद का फैसला सुप्रीम कोर्ट ने आस्था के आधार पर कर दिया। उसके बाद से इस तरह के मुकदमों की बाब आ गई है। नैतिकता का लोप हो चुका है। सरकार में बैठे लोग संविधान नियम और कानून को नजर अंदाज करते हुए मनमाने तरीके से कानून और नियमों को इंटरपिटेशन करते हैं। पहले राजाओं की प्रजा गुलाम हुआ करती थी। स्वतंत्रता प्राप्त हुई, जनता मालिक बन गई। स्वतंत्रता के बाद नागरिक बन कर राजे - रजवाड़े के बंशज सत्ता पर आकर बैठ गए। पहले भी मराई खा रहे थे, अभी भी मराई खा रहे हैं। पहले भी उनके हाथ में सत्ता की कमान थी। आज भी उनके हाथ में सत्ता की कमान है। राजे - रजवाड़े सरकारी संपत्ति को फिर से धोखाधड़ी करके कब्जा करना चाहते हैं।

# इजरायल-ईरान युद्ध की विभीषिका कहीं दुनिया को न ले दूष्टे

- ललित गर्ग

इजरायल ने ईरान के 'परमाणु कार्यक्रम ठिकानों' पर अचानक हमला करके न सिफ दुनिया को किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों पर अचानक हमला करते हुए खड़े सैन्य अधिकारी चाँका दिया है बल्कि पश्चिमी एशिया के पूरे क्षेत्र को अपर्स के चीफ हुसैन सलामी के अनिश्चितता, भव, असांति एवं भी मारे जाने की खबर है ईरान ने संकट के भंग में डाल दिया है। ईरान जवाबी कार्यवाई का इदाहा जता ही दिया है, खुद ईरायल सरकार ने भी अपने नागरिकों से अगले है। जहां इस्ताइल इन हमलों को बाहर रहने और अपने अस्तित्व को बचाने की खाली होता है।



ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी चाँका दिया है बल्कि पश्चिमी एशिया के पूरे क्षेत्र को अपर्स के चीफ हुसैन सलामी के अनिश्चितता, भव, असांति एवं भी मारे जाने की खबर है ईरान ने संकट के भंग में डाल दिया है। ईरान जवाबी कार्यवाई का इदाहा जता ही दिया है, खुद ईरायल सरकार ने भी अपने नागरिकों से अगले है। जहां इस्ताइल इन हमलों को बाहर रहने और अपने अस्तित्व को बचाने की खाली होता है।

एवं मानवीयता से खाली होता है। विभीषिका से मुक्ति देना वर्तमान की पारस्परिक स्नेह, सद्ब्राव, सौहार्द बड़ी ज़रूरत है। विभीषिका वर्तमान युद्ध और विश्वास के अभाव में उसका की जटिल से जटिलता होती है। विभीषिका से विश्वासी दुप्रभावों का संकेत ईरान लेने को कहा रहा है, लेकिन एक तथ्य से मिल जाता है कि इन दो राष्ट्रों के संघर्ष एवं युद्ध में तेज़ी से बढ़े हुए हैं। लेकिन एक तथ्य से बढ़े हुए है कि इन दो राष्ट्रों के बीच विश्वासी दुप्रभावों का देखें तो यह पश्चिम सुरक्षा के साथ जुटाने में संलग्न एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और परस्परिक स्नेह, सद्ब्राव, सौहार्द बड़ी ज़रूरत है। विभीषिका वर्तमान युद्ध और विश्वास के अभाव के उसका की जटिल से जटिलता होती है। विभीषिका से विश्वासी दुप्रभावों का संकेत ईरान लेने को कहा रहा है, लेकिन एक तथ्य से बढ़े हुए है कि इन दो राष्ट्रों के बीच विश्वासी दुप्रभावों का देखें तो यह पश्चिम सुरक्षा के साथ जुटाने में संलग्न एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और परस्परिक स्नेह, सद्ब्राव, सौहार्द बड़ी ज़रूरत है। विभीषिका वर्तमान युद्ध और विश्वास के अभाव में उसका की जटिल से जटिलता होती है। विभीषिका से विश्वासी दुप्रभावों का संकेत ईरान लेने को कहा रहा है, लेकिन एक तथ्य से बढ़े हुए है कि इन दो राष्ट्रों के बीच विश्वासी दुप्रभावों का देखें तो यह पश्चिम सुरक्षा के साथ जुटाने में संलग्न एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और परस्परिक स्नेह, सद्ब्राव, सौहार्द बड़ी ज़रूरत है। विभीषिका वर्तमान युद्ध और विश्वास के अभाव में उसका की जटिल से जटिलता होती है। विभीषिका से विश्वासी दुप्रभावों का संकेत ईरान लेने को कहा रहा है, लेकिन एक तथ्य से बढ़े हुए है कि इन दो राष्ट्रों के बीच विश्वासी दुप्रभावों का देखें तो यह पश्चिम सुरक्षा के साथ जुटाने में संलग्न एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और परस्परिक स्नेह, सद्ब्राव, सौहार्द बड़ी ज़रूरत है। विभीषिका वर्तमान युद्ध और विश्वास के अभाव में उसका की जटिल से जटिलता होती है। विभीषिका से विश्वासी दुप्रभावों का संकेत ईरान लेने को कहा रहा है, लेकिन एक तथ्य से बढ़े हुए है कि इन दो राष्ट्रों के बीच विश्वासी दुप्रभावों का देखें तो यह पश्चिम सुरक्षा के साथ जुटाने में संलग्न एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और परस्परिक स्नेह, सद्ब्राव, सौहार्द बड़ी ज़रूरत है। विभीषिका वर्तमान युद्ध और विश्वास के अभाव में उसका की जटिल से जटिलता होती है। विभीषिका से विश्वासी दुप्रभावों का संकेत ईरान लेने को कहा रहा है, लेकिन एक तथ्य से बढ़े हुए है कि इन दो राष्ट्रों के बीच विश्वासी दुप्रभावों का देखें तो यह पश्चिम सुरक्षा के साथ जुटाने में संलग्न एशिया से लेकर दक्षिण एश





दीवारों के भीतर न्याय अभियान के तहत बंदियों को उनके अधिकारों के बारे में किया जागरूक



कुरुक्षेत्र, 18 जून (सुदेश कुमार) : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र की सीजेएम एवं सचिव मिस नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्रा न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्रल के मार्गदर्शन में जिला कारगार में महिला बंदियों के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में केंपन दीवारों के भीतर न्याय के तहत बंदियों को कानूनी अधिकारों से सशक्त बनाने के अंतर्गत महिला बंदियों को उनके अधिकारों के बारे में बताया गया। महिला बंदियों को डीएलएसए द्वारा दी जाने वाली मुफ्त कानूनी सहायता के बारे में बताया गया। एम्डीडी संस्था के सहयोग से महिला बंदियों को सैनिटरी पैड भी वितरित किए गए। शिविर के दौरान अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के बारे उन्हें जागरूक भी किया गया।

## स्वस्थ जीवन जीने की प्राचीन कला है योग-नियमित दिनचर्या में अपनाएं सभी : डीसी प्रीति

कैथल, 18 जून (प्रवेश बहादुर) : डीसी प्रीति ने कहा कि योग मन, मैराथन में प्रतिभागियों को संबोधित कर रही थीं। डीसी ने इस दौरान बनाने का मार्गदर्शन है। योग को सिर्फ मैराथन को हरी झंडी दिखाकर एक दिन के लिए नहीं, बल्कि उसे नियमित अपनी दिनचर्या में लेकर स्थान पर रहने वाले आएं। योग स्वस्थ जीवन जीने की प्रतिभागियों को समानित किया गया। प्रथम स्थान पर गौरव, द्वितीय को आपस में जोड़ती है। प्रदेश को योगयुक्त और नशा मुक्त बनाने के लिए सभी नागरिक अपनी सक्रिय योग ऋषि मुनियों द्वारा प्रदान की भागीदारी निभाएं। डीसी प्रीति गई एक प्राचीन पद्धति है, जोकि जीवन में काफी प्रभावी है। योग तुधुवार को चौधरी छोटू राम करने से जहां शारीरिक स्फूर्ति प्राप्त होती है, वहां तनाव को खंखल करता है। इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हजारों वर्षों से मानव जाति को की थीम एक पृथकी एक स्वास्थ्य शारीरिक, मानसिक व अध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाया है। योग केवल ताकि घर-घर योग की अलख ऊषा, रमेश कुमार, राहुल शर्मा कुछ आसन करना ही नहीं है, बल्कि जगाइ जा सके। इस मौके पर सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी यह जीवन जीने का एक तरीका है। आरटीए परियोग कुमार, जिप सीरीजों मौजूद रहे।



आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सुरेश राविश, डीडीपीओ कंवर जहां तनाव और चिंता हमारे जीवन दमन, डीआईपीआओ नसीब सिंह का हिस्सा बन गए हैं, वहां योग हमें सैनी, डीडीए डॉ. बाबू लाल, शांति और स्थिरता प्रदान करता है। डीएचओ हीरा लाल, डीएसओ राज जिला परिषद के सीईओ सुरेश रानी, डीआईओ दीपक खुराना, राविश ने कहा कि योग हमारे शरीर जिला आयुर्वेदिक अधिकारी को लचीला बनाता है। हमारी शंकुतला दहिया, रैडकॉस सचिव मानसंपेश्यों को मजबूत करता है। रामजी लाल, आईटीआई प्रिंसीपल योग करने से एकायता बढ़ती है और सतीश मच्छल, योग विशेषज्ञ डॉ. सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता एचएस हुड़ा, कोच गुरपीत सिंह, है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सभी चेतन शर्मा, राजेश कुमार, देवेंद्र अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें, प्रशांत, जोगिंद्र, रोहताश, रीटा, ताकि घर-घर योग की अलख ऊषा, रमेश कुमार, राहुल शर्मा कुछ आसन करना ही नहीं है, बल्कि जगाइ जा सके। इस मौके पर सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी यह जीवन जीने का एक तरीका है। आरटीए परियोग कुमार, जिप सीरीजों मौजूद रहे।

## बला मंडल में प्रधानमंत्री के 11 साल के कार्यकाल की संकल्प से सिद्धि पर हुई मीटिंग

मूनक, 18 जून (जय भगवान) : में भारत ने बोते 11 वर्षों में अभूतपूर्व मुफ्त में राशन दिया गया। प्रधानमंत्री नंदेंद मोदी की सरकार तरकी की है। उन्होंने कहा कि मोदी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत के 11 वर्ष पूरे होने पर बला मंडल सरकार ने सबका साथ, सबका 4 करोड़ मकान बनाए गए। हर घर के गांव मूनक में एक मिटिंग विकास और सबका विश्वास के जल योजना के अंतर्गत 15 करोड़ आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम सिद्धांत पर चलते हुए गरिबों, ग्रामीण परिवारों को नल से जल में बताए मुख्य अतिथि जिला सचिव किसानों, महिलाओं, युवाओं और मिला। प्रधानमंत्री बीमा योजना के पंकज कंबोज, मेहर सिंह कलामपुर, समाज के हर वर्ग के लिए योजनाएं तहत 51 करोड़ लोगों को सुरक्षा राज गोदारा वरिष्ठ भाजपा नेता चलाई, जिनका लाभ सीधा अंतिम कवरेज में लिया गया। 70 वर्ष से पौजूद रहे। मेहर सिंह कलामपुर ने व्यक्ति तक पहुंचा है। उन्होंने बताया कि विदेश में आज भारतीयों को सरकार की उपलब्धियों को कि विदेश में आज भारतीयों को आयुष्मान योजना के तहत पर 5 ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि पूरा मान सम्मान मिलता है अर्थात् पीएम मोदी के नेतृत्व में 11 सालों विधि में चौथे नंबर पर भारत का बताया कि किसीने योजना लाई गई में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। उन्होंने नाम आता है। देश के अर्थात् गिनती करने तो गिनती की नहीं केंद्र सरकार की अब तक की विकास के लिए अच्छी सड़कों का जाती। नौकरियां योग्यता के आधार उपलब्धियों को देश के लिए होना बहुत जरूरी है। सरकार द्वारा पर 5 वर्ष दिया गया। इस मीटिंग में एसी ऐतिहासिक एवं दिशा निर्धारक छोटी बड़ी सड़क राजमार्गों का मोर्चा के अध्यक्ष औप्रकाश, मंडल बताया और कर्मचारियों को आद्वान निर्माण किया गया है। जिला सचिव अध्यक्ष जय भगवान जांगड़ा, रोहित किया कि वे सरकार की पंकज कंबोज ने बताया कि पांचाल, प्यारेलाल, दलबी, नीवन जनहितकरी नीतियों को घर-घर प्रधानमंत्री के 11 वर्ष कार्यकाल में कुमार, सुखदेव पांडा, हुकुमचंद तक पहुंचाएं। राज सिंह गोदारा ने गरीब कल्याण अन्न योजना के दर्जनों मंडल के पदाधिकारी मौजूद कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व अंतर्गत 81 करोड़ लाभार्थियों को है।

## निगम की टीम ने डोर टू डोर दुकानदारों को किया स्वच्छता के प्रति जागरूक

यमुनानगर, 18 जून (दिनेश कुमार) : स्वच्छता प्रखावाड़ा के तहत वीरवार को नगर निगम की टीम ने स्वेह सेवा द्वारा संस्था के साथ रेलवे रोड व जगदीश वर्कशॉप रोड पर दुकानों पर डोर टू डोर जाकर दुकानदारों को सफाई के प्रति जागरूक किया। दुकानदारों को सूखा व गीला कचरा अलग द्वारा अलग अलग रेलवे रोड व जगदीश वर्कशॉप रोड पर दुकानों पर डोर टू डोर जाकर दुकानदारों को सफाई के प्रति जागरूक किया। दुकानदारों को सूखा व गीला कचरा अलग द्वारा अलग अलग रेलवे रोड व जगदीश वर्कशॉप रोड पर दुकानों पर डोर टू डोर जाकर दुकानदारों को सफाई के प्रति जागरूक किया। इसके बाद स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इसके बाद मूनक सम्मान व गीला कचरा अलग द्वारा अलग अलग रेलवे रोड व जगदीश वर्कशॉप रोड पर दुकानों पर डोर टू डोर जाकर दुकानदारों को सफाई के प्रति जागरूक किया। उन्होंने लोगों को खुले में कचरा न करने के लिए चालान लाया। इनके बाद रोडवे रोड पर दुकानों पर डोर टू डोर जाकर दुकानदारों को सफाई के प्रति जागरूक किया। इसके बाद स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इसके बाद मूनक सम्मान व गीला कचरा अलग द्वारा अलग अलग रेलवे रोड व जगदीश वर्कशॉप रोड पर दुकानों पर डोर टू डोर जाकर दुकानदारों को सफाई के प्रति जागरूक किया।

## आदेश मैडिकल कालेज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

योग को जीवन में अपनाकर हम रह सकते हैं स्वस्थ : डा. गुणतास गिल

डा. प्रांजल धीर ने किया। इसमें डा. सुशील दलाल एवं डा. परमाल सैनी ने देवे व प्रतिवर्धित पॉलिथीन का रखने के लिए नीला व हरा डस्टबिन विनियम के बिभिन्न सफाई निरीक्षक इस्टेमाल न करने के प्रति जागरूक रखने की अपील की गई। जिन रेलवे रोड पर पहुंचे। टीम द्वारा पहले किया। निगम की टीम व दुकानदारों द्वारा अलग अलग शहीद भगत सिंह चौक से जागरूक होने के लिए एवं अपने आसपास सभी व गीले करने के लिए अपनी विधियों को अपने आसपास के समाजसेवी संस्था के पदाधिकारियों द्वारा अलग अलग रेलवे रोड पर दुकानों पर डोर टू डोर जाकर दुकानदारों को सफाई के प्रति जागरूक किया। उन्होंने लोगों को खेतों में धान की खेती के आधार अन्न के लिए अपनी विधियों को अपने आसपास के समाजसेवी संस्था के पदाधिकारियों द्वारा अलग अलग रेलवे रोड पर दुकानों पर डोर टू डोर जाकर दुकानदारों को सफाई के प्रति जागरूक किया।

शाहाबाद मारकंडा, 18 जून एनएस लांबा ने उपरिक्षित दी और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस युवाओं से योग को जीवनशैली में आयोजित किया। योग को अपने आसपास शामिल करने के लिए प्रेरित किया।

आदेश मैडिकल कालेज व अस्पताल में कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए एवं मेडिसिन विभाग द्वारा विभागाध्यक्ष योग को जीवन में अपनाकर हम रह सकते हैं स्वस्थ : डा. गुणतास गिल

डा. विजय कुमार ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस महोत्सव 2025 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम के मंडेजर 19 व 20 जून को ब्रह्मसरोवर परिसर पर सैर व स्नान करने पर रहेंगी रोक : नेहा सिंह

कुरुक्षेत्र, 18 जून (सुदेश कुमार) : उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव 2025 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम के मंडेजर 19 व 20 जून को ब्रह्मसरोवर परिसर पर सैर व स्नान करने पर रहेंगी रोक। इस दौरान शहर के नागरिकों व बाहर से आने वाले विद्यालयों को ब्रह्मसरोवर परिसर में सैर करने व स्नान करने की अनुमति नहीं। लेपिंगी, क्योंकि ब्रह्मसरोवर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि राज









